This question paper contains 7 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

325

B.A. (Programme)/II/III J

HINDI LANGUAGE (C) – Paper II

हिन्दी भाषा (ग) – प्रश्न-पत्र II

(प्रवेश-वर्ष 2004 / 2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए / NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **8 + 8 = 16**

(क) संशय –

इस भाव को मिटा दो
रोशनी जल उठेगी

तुममें निर्भय ।
पीठ पर रखा छुरा
लगेगा प्रोत्साहन का स्पर्श
और तुम बिजली की तरह
आगे बढ़ जाओगे अक्षय ।
उस आँख में देखो
अपनी आँख
लौ तेज़ होगी
बनेगी एक दृष्टि-लय ।

(i) यह अंश किस कविता से लिया गया है ? उसके कवि का नाम लिखिए ।

(ii) 'उस आँख' से कवि का आशय क्या है ?

(iii) 'दृष्टि-लय' का अर्थ समझाइए ।

(iv) कवि के अनुसार आगे बढ़ने की राह में बाधा क्या है ?

(ख) मुझे लगता है कि मेरे चारों ओर हर चीज़ का एक नया मूल्य उभर आया है, जो उसके आज तक के मूल्य से सर्वथा भिन्न है और जो उसके रूप को मेरे लिए बिल्कुल बदले दे रहा है । कोई चीज़ ऐसी नहीं जो किसी न किसी रूप में किसी न किसी चीज़ का विज्ञापन न हो । अजन्ता के चित्र और एलोरा की मूर्तियाँ कभी अछूती कला का उदाहरण रही होंगी, परन्तु आज उस कला को एक नई सार्थकता प्राप्त हो गई है । उन मूर्तियों का केश-सौन्दर्य आज मुझे एक तेल की शीशी का स्मरण कराता है, उनकी आँखें एक फ़ार्मेसी का विज्ञापन प्रतीत होती हैं और उनका समूचा क्लेवर एक पेट्रोल कम्पनी की कलाभिरुचि को प्रमाणित करता है । जिन हाथों ने उन कलाकृतियों का निर्माण किया था, वे हाथ आज भी एक बिस्कुट कम्पनी की विकास योजना के विज्ञापन के रूप में सार्थक हो रहे हैं ।

(i) प्रस्तुत पाठ का शीर्षक तथा लेखक का नाम बताइए ।

(ii) 'विज्ञापन ने हर चीज़ को नया मूल्य दिया है' – इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(iii) विज्ञापन जीवन को किस तरह प्रभावित करता है ?

(iv) अजन्ता-एलोरा की कलाकृतियाँ किन वस्तुओं के विज्ञापन का स्मरण कराती हैं ?

(ग) तनिक और ग़ौर से देखें तो हम यह भी पाएँगे कि हमारे तमाम मिथक और उपाख्यान, हमारे टी.वी. सीरियल, हमारी फ़िल्में और चलताऊ साहित्य – यह सब उसी धीरजवन्ती, लाजवन्ती, भागवन्ती स्त्री के गुण गाते हैं, जो हिंसा की चुनौती से निबटने के बजाय घुट-घुट कर घुलती रहे या जिसने ज़हर पीकर या आग में कूद कर प्राण दे दिए । यानी पहले वह दूसरे की हिंसा की शिकार बनी, फिर आत्महिंसा में विसर्जित हो रही । अगर चिकित्सा-शास्त्रीय प्रमाण न होते तो शायद हम हिन्दुस्तानी तो यह भी मान लेते कि हमारे पुरुषों की अपेक्षा हमारी औरतों का दम अधिक हँसी-खुशी और फुर्ती से निकलता है, और मारपीट झेलने में भारतीय ललनाओं की काठी पुरुष से कहीं अधिक कड़ियल होती है ।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम बताइये ।

(ii) भारतीय मिथक और उपाख्यानों में स्त्री की छवि किस रूप में उभरी है ? कुछ उदाहरण दीजिए ।

(iii) सिनेमा और टेलिविजन में भारतीय स्त्री की कौन सी छवि मुखरित हुई है ?

(iv) 'घरेलू हिंसा' से क्या तात्पर्य है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 9

(i) 'मास्टर' कविता की मूल संवेदना समझाइए ।

(ii) 'घंटी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

(iii) 'काश, किसी शेर ने हालत की होती ! दो शेर लड़ते हैं, एक गिरता है ।' यह कथन बलदेव सिंह की मृत्यु से किस प्रकार जुड़ता है ?

(iv) 'चन्द्रमा के देश में' कहानी में किस पर व्यंग्य किया गया है ?

(v) 'यदि हमें हिन्दी का प्रचार-प्रसार करना है, तो प्रेमपत्रों की भाषा, व्याकरण और वर्तनी की भूलों में सुधार आदि की समस्या पर ध्यान देना होगा ।'

पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

(भाषा का प्रश्न : प्रेमपत्रों के संदर्भ में)

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4 + 4 + 4 = 12$

(क) खड़ी बोली का सामान्य परिचय ।

(ख) देवनागरी लिपि का मानकीकरण ।

(ग) राजभाषा के रूप में हिन्दी ।

(घ) राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी ।

4. निम्नलिखित अपठित अनुच्छेद के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पराधीन का अर्थ है अधिकारों एवं स्वतन्त्रता का दूसरे के अधीन होना । पराधीन होने पर निजता नाम की कोई चीज़ शेष नहीं रहती । उसका विवेक तथा आत्मा की आवाज़ पर अधिकार नहीं रहता । व्यक्ति स्वेच्छापूर्वक कर्म करने की आज़ादी से हाथ धो बैठता है । व्यक्ति का अपना बहुत कुछ होते हुए भी कुछ नहीं रहता । उसका सर्वस्व किसी ऐसे व्यक्ति या राष्ट्र का हो जाता है जो अपने वर्चस्व के आगे दूसरे को तनिक भी आज़ादी नहीं देना चाहता । उसके अधिकारों का हनन कर उसका शोषण करता है । इस तरह की स्थिति में जीने वाला व्यक्ति न सुखी रह सकता है और न ही विकास कर पाता है । स्वाधीनता मनुष्य की मूल वृत्ति है । पराधीनता इसे दबा तो सकती है किन्तु समाप्त नहीं कर सकती । स्वतंत्रता की रक्षा के लिए मनुष्य बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने को तत्पर रहता है ।

(i) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 1

(ii) पराधीनता का मनुष्य के व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 2

(iii) स्वाधीनता मनुष्य के लिए क्यों आवश्यक है ? 2

5. शहर में बढ़ती लूटपाट की गतिविधियों से अवगत कराते हुए मुख्य पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए । 5

6. (क) किन्हीं **चार** मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए : 4

(i) थोथा चना बाजे घना

(ii) फसाद की जड़

(iii) आसमान से गिरा खजूर में अटका

(iv) भैंस के आगे बीन बजाना

(v) अधजल गगरी छलकत जाए

(ख) किन्हीं **चार** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 4

(i) पाना बहुत कुछ है ।

(ii) पर्यावरण का रक्षा होना चाहिए ।

(iii) मैं मेरा काम जानता हूँ ।

(iv) है मुझे नहीं जाना घर ।

(v) तुम्हारे पास केवल दो दिन मात्र हैं ।

7. (क) किसी **एक** विषय पर लेख लिखिए : 8

(i) मीडिया और राजनीति

(ii) इंटरनेट : संभावनाएँ और चुनौतियाँ

(iii) ओलम्पिक में भारत

(ख) 'विश्व पर्यावरण प्रदर्शनी' **अथवा** 'हस्तशिल्प मेला' पर एक प्रतिवेदन लिखिए । 4

8. (क) कोश के महत्त्व पर विचार कीजिए । 4

अथवा

किन्हीं **दो** पारिभाषिक और दो पर्यायवाची कोशों के नाम लिखिए ।

(ख) हिन्दी शब्दकोश में प्रविष्टि के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

ज्ञान, अभिव्यक्ति, वर्ण, राजनीति, क्षमता, विस्तार, संचार, लेखन ।